राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

March 2023

छात्रों में वैज्ञानिक स्वभाव करें जागृत

एनआइटी श्रीनगर में विज्ञान विषय को लेकर व्याख्यानमाला का आयोजन

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रभावी गौरवशाली अतीत होने के बावजूद हम पश्चिमी देशों का अनुसरण करने लगे। जिसमें हम वहां कर रहे हैं जो हमारे पास पहले से था।

- सिंधु घाटी की सभ्यता, चरक संहिता, महाराज सवाई जय सिंह द्वितीय का दिया उदाहरण
- जल शुद्धिकरण के लिए अपनायी जाने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं पर डाला प्रकाश

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर में विज्ञान पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करती एनआइटी हमीरपुर की प्रोफेसर डा. पमिता अवस्थी ● जागरण

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) श्रीनगर के केमिस्ट्री, फिजिक्स और गणित विभाग की ओर से विज्ञान विषय को लेकर आयोजित विशेष व्याख्यान माला को मुख्य अतिथि प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने सिंधु घाटी की सभ्यता, चरक संहिता, महाराज सवाई जय सिंह द्वितीय के जंतर-मंतर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह इस बात के प्रमाण हैं कि ब्रिटिशकाल से बहुत पहले ही भारत में सभ्यताएं और विज्ञान विकसित हो चुका था। उस काल से ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा भारत के ताने-बाने में अंतर निहित भी थे। उन्होंने कहा कि अच्छे वैज्ञानिक स्वभाव वाले छात्रों को तैयार करने पर हमें जोर देना है। जिससे प्रधानमंत्री मोदी के मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्किल इंडिया मिशन में युवा प्रभावी योगदान भी दे सकें।

विशिष्ट अतिथि और एनआइटी हमीरपुर हिमाचल की प्रोफेसर डा. पमिता अवस्थी ने आनलाइन संबोधन में रमन प्रभाव की खोज से जुड़ी घटना का जिक्र करते हुए कहा कि किस प्रकार से एक जिज्ञासा एक महान ज्ञान की खोज की ओर ले जाती है।

प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग और उससे कुछ मायनों में उत्पन्न हो रही समस्याओं पर भी चिंता व्यक्त करते हुए प्रो. पमिता अवस्थी ने शुद्ध जल का उदाहरण देते हुए कहा कि आज बहुत सी ऐसी बीमारियां हो गयी हैं जो समाज में आम भी हो गयीं। वैज्ञानिक समुदाय से ऐसे वैश्विक मुद्दों को हल करने के लिए उन्नत तकनीकों के साथ हमारे पारम्परिक ज्ञान को एकीकृत करने के लिए आगे आने का आग्रह भी प्रो. पमिता ने किया। मुख्य वक्ता और एमएनआइटी जयपुर के प्रोफेसर डा. राजकुमार व्यास ने पर्यावरण की रक्षा और पेयजल की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए अपशिष्ट जल के उपचार की जरूरत पर विशेष जोर दिया। जल शुद्धिकरण के लिए अपनायी जाने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा. राकेश मिश्रा, डा. रामपाल पांडे, डा. कुसुम शर्मा के साथ ही अन्य फैकल्टियों ने प्रतिभाग किया।

'विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना ही विज्ञान दिवस का उद्देश्य'

श्रीनगर। एनआईटी, उत्तराखंड में नेशनल विज्ञान दिवस पर रसायन, भौतिकी और गणित विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना ही विज्ञान दिवस का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के लिए खुले दिमाग वाले छात्रों की आवश्यकता है। संवाद

लैंगिक असमानता को लेकर कई सामाजिक रीति-रिवाज जिम्मेदार

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: एनआइटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि लैंगिक असमानता को लेकर कई सामाजिक रीति-रिवाज जिम्मेदार हैं, जो वर्तमान में महिलाओं के अनुकूल नहीं हैं। ऐसे में इन्हें समाप्त करना जरूरी है। ऐसी प्रथाओं में परिवर्तन और संशोधन जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आधी आबादी का दर्जा है, लेकिन शिक्षा, रोजगार, राजनीति अथवा किसी अन्य क्षेत्र में उनका प्रतिनिधित्व आधे से काफी कम है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि महिला हैं तो काम नहीं कर पाएगी, इस धारणा को बदलना ही नहीं, समाप्त भी करना होगा। एनआइटी उत्तराखंड संस्थान में लैंगिक समानता की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

- एनआइटी उत्तराखंड में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित
- लैंगिक समानता की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है एनआइटी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के सभागार में 'डिजिटल इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी फार जेंडर इक्वैलिटी' विषय को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र ने महिला सशक्तीकरण को अनिवार्य बताते हुए विचार व्यक्त किए। एनआइटी की आइसीसी सेल की चेयरमैन डा. जागृति सहरिया ने महिला दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। एनआइटी में कार्यरत सभी महिला कर्मचारी और फैकल्टी भी इस कार्यक्रम में विशेष उत्साह के साथ शामिल हुईं।

गढ़वाल की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

'महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं'

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के आईसीसी सेल की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'डिजिटलः लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी' विषय पर साप्ताहिक कार्यक्रम शुरू किया गया। कहा गया कि आज के समय में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। कार्यक्रम में एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि वर्तमान में विश्व की कुल जनसंख्या में महिलाओं की संख्या करीब 50 फीसदी है जबकि शिक्षा, रोजगार, राजनीति या अन्य क्षेत्र में उनका प्रतिनिधित्व काफी कम है। मगर आज के समय में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। संवाद

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखण्ड के आईसीसी सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह को प्रतिष्ठित सप्ताह के रूप मनाया जा रहा ह

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड के आईसीसी सेल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह को एक प्रतिष्ठित सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह 03 फ़रवरी को आयजित किया गय। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के माननीय निदेशक प्रोफेसर ललित अवस्थी ने बताया की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए इस वर्ष का शीर्षक डिजिटल = इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फॉर जेंडर इक्वलिटी है। उन्होंने कहा की वर्तमान समय में विश्व की कुल जनसंख्या में महिलाओं की की सांख्य लगभग पचास प्रतिशत है जबकि शिक्षा, रोजगार, राजनीति या अन्य किसी भी क्षेत्र में उनका प्रतिनिधित्व काफी कम है

प्रोफेसर अवस्थी ने कहा की इस लैंगिक असमानता के लिए कई सामाजिक रीति-रिवाज जिम्मेदार है जो अपने वर्तमान स्वरुप में महिलाओ के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कहा कि ऐसी प्रथाओं को संहिताबद्ध नहीं किया जाना चाहिए जो महिलाओं के प्रतिकूल है। ऐसी प्रथाओं के संहिताकरण के साथ आगे बढ़ने से पहले परिवर्तित या संशोधित करना चाहिए।

आज भी नेतृत्व की भूमिका के लिए इच्छुक महिलाओ के के संदर्भ में आम धारणा है की, वह एक महिला है, वह काम नहीं कर पाएगी , जबकि वे किसी भी तरह से पुरुषो से कमतर नहीं। वे एक पायलट, सैनिक, राज नेता, अंतरिक्ष यात्री या अन्य किसी भी भूमिका को निभाने में सक्षम है, तो वह समानता की अधिकारिणी भी है। एनआईटी, उत्तराखंड में महिला कर्मचारियों की स्थित का जिक्र करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा की मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है की संस्थान लैंगिक समानता की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा और संस्थान में महिला-पुरुष कर्मचारियों को समान रूप से प्रतिनिधित्व करने का मौका दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने सभी महिला कर्मचारियों को आश्वासन देते हुए कहा की भविष्य में यदि उन्हें किसी भेदभाव की आशंका होती है तो वे किसी भी वक्त सीधे तौर पर उनसे संपर्क कर सकती है।

इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव ने भी महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रस्तुत किया। संस्थान की आईसीसी सेल की चेयरमैन डॉ जाग्रति सहरिया ने साप्ताहिक कार्यक्रम में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह में संस्थान की सभी महिला कर्मचारी भी उपस्थित थी।

एनआईटी में शनिवार को आयोजित किया गया होली मिलन समारोह। ● हिन्दुस्तान

'होलिका की अग्नि के साथ विजर्सित करें अवगुणों को'

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर के स्टूडेंट वेलफेयर सेक्शन और कल्चरल एंड फाइन आर्ट्स सेक्शन ने संयुक्त रूप होली मिलन समारोह आयोजित किया।

इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि होली मिलन उत्सव मनाने कि परंपरा छात्रों को देश कि सभ्यता और संस्कृति से जोड़े रखती है। साथ-साथ उनके अंदर सामाजिक समरसता तथा समरूपता का भाव भी पैदा करती है। इसलिए इस प्रकार के आयोजन का होते रहना जरूरी है।

प्रो. अवस्थी ने छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व एक तरफ राधा-कृष्ण के अटूट प्रेम संबंध को दर्शाता है। मौके पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा. राकेश कुमार मिश्रा, डा. नितिन शर्मा, डा. मानवेन्द्र खत्री, डा. रेनू भदोला आदि थे।

रंगोत्सव को शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए

गोपेश्वर। पुलिस ने पवित्र रंगोत्सव होली को सौहार्द और शान्ति पूर्ण ढंग से मनाने की अपील सभी नागरिकों से की है। पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल के निर्देशन में जिले के सभी थानाध्यक्षों, चौकी प्रभारियों ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ बैठक की।

मुनिकीरेती में होली पर बंद रहेगी राफ्टिंग

नई टिहरी। होली के दिन आगामी 8 मार्च को मुनिकीरेती क्षेत्र में राफ्टिंग पूरी तरह से बंद रहेगी। पुलिस की मीडिया सेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस बाबत जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने राफ्टिंग कारोबारियों के साथ मुनिकीरेती क्षेत्र में बैठक की गई।

पर्व हमें अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के छात्र कल्याण विभाग और कल्चरल एंड फाइन आर्ट्स विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एनआइटी परिसर में होली मिलन समारोह में संस्थान के निदेशक और फैकल्टियों के साथ ही छात्र-छात्राओं ने भी बढ़चढ़कर होली का आनंद लिया।

होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि हमारा हर पर्व हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता से जोड़े रखता है। पर्व आयोजन के द्वारा सामाजिक समरसता और समरूपता का भाव भी पैदा होता है। प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि होली का पर्व जहां एक ओर राधा-कृष्ण के अटूट प्रेम सम्बन्ध को दर्शाता है वहीं दूसरी ओर यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का भी द्योतक है। हिरण कश्यप, होलिका और भक्त प्रह्लाद की पौराणिक कथा का संदर्भ लेते हुए उन्होंने कहा कि अधर्म साथ देने के कारण ही होलिका स्वयं आग में जलकर भस्म हो गयी थी और भक्त प्रह्लाद सकुशल बच गए। तभी से होली अवसर पर होलिका दहन की परम्परा भी चली आ रही है।

एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी को गुलाल लगाकर एनआइटी संस्थान में होली मिलन समारोह का शुभारंभ करते छात्र ● जागरण

एनआइटी संस्थान में होली मिलन समारोह में छात्रों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की। बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों ने काफी उत्साह के साथ होली मिलन समारोह आयोजन किया। एनआइटी के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने भी छात्रों को होली की शुभकामनाएं दीं। डा. राकेश मिश्रा, डा. नितिन शर्मा, डा. मानवेंद्र खत्री, डा. रेनू भदोला, डा. रामपाल पांडे के साथ ही संस्थान की अन्य सभी फैकल्टियां भी इस अवसर पर मौजूद थीं।

गढ़वाल की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर के स्टूडेंट वेलफेयर सेक्शन और कल्चरल एंड फाइन आर्ट्स सेक्शन ने संयुक्त रूप से होली मिलन समारोह का आयोजन

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पौड़ी/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के स्टूडेंट वेलफेयर सेक्शन और कल्चरल एंड फाइन आर्ट्स सेक्शन ने संयुक्त रूप से शुक्रवार 03 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किया। बतौर मुख्य अतिथि संस्थान के माननीय निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत किया और छात्रों को गुलाल- अबीर लगाकर उन्हें आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि होली मिलन उत्सव मानाने कि परंपरा छात्रों को देश कि सभ्यता और संस्कृति से जोड़े रखती है साथ साथ उनके अंदर सामाजिक समरसता तथा समरूपता का भाव भी पैदा करती है। इसलिए इस प्रकार के आयोजन का होते रहना जरूरी है। प्रोफेसर अवस्थी ने छात्रों और संकाय सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व एक तरफ राधा – कृष्ण के अटूट

प्रेम सम्बन्ध का को दर्शाता है वही दूसरी ओर बुराई पर अच्छाई की जीत का भी द्योतक है। हिरण्यकशिपु और भक्त प्रह्लाद की पौराणिक कथा को उद्धत करते हुए उन्होंने कहा कि सतयुग काल में दैत्य राज हिरण्यकशिपु ने अपने पुत्र प्रह्लाद को भगवन विष्णु की भक्ति करने के लिए मृत्यु दंड देना चाहता था। इसके लिए उसने अपनी बहन होलिका से भक्त प्रह्लाद को लेकर अग्नि में समाहित होने के लिए कहा, क्योंकि होलिका को वरदान प्राप्त था कि आग उसे जला नहीं सकती। परन्तु अधर्म का साथ देने के कारण होलिका स्वयं अग्नि में जलकर भस्म हो गयी और भक्त प्रह्लाद बच गए। तभी से होली के अवसर पर होलिका दहन की परंपरा चली आ रही है। प्रोफेसर अवस्थी ने छात्रों और संकाय सदस्यों को सन्देश दिया की इस कथा में होलिका प्रतीकात्मक रूप में अज्ञानता, अहंकार, अधर्म आदि मानवीय दुर्बलता को निरूपित करती है और भक्त प्रह्लाद निष्ठा, निष्छलता, विश्वास और समर्पण जैसे गुणों को। इस कथा से हमें यह शिक्षा भी मिलती है की होली के शुभअवसर पर हमें अपने भीतर की अज्ञानता, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेषभाव जैसे अवगुणो को होलिका की अग्नि में विसर्जित कर देना चाहिए और समाज में भाईचारा, समरसता और समरूपता का सन्देश देना चाहिए।

समारोह की शुरुआत छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारम्परिक रूप से मुख्य अतिथि को गुलाल का तिलक लगाकर किया।

इस अवसर पर बी टेक प्रथम वर्ष के छात्र काफी प्रसन्न और उत्साहित नजर आ रहे थे। उन्होंने बताया की एक दिन पूर्व ही उनकी एन्ड सेमेस्टर की परीक्षाएं समाप्त हुई है और अगले सप्ताह उनका मिड टर्म ब्रेक है ऐसे में उनके लिए दोहरी खुशी का मौका है।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने भी छात्रों को होली की शुभकामनाएं दी और कहा की होली का त्यौहार भाईचारे का त्यौहार है। होली के अवसर पर हमें आपसी मतभेदों को भूलकर मित्र बन जाना चाहिए। इस समारोह में डॉ राकेश कुमार मिश्रा(एसोसिएट डीन, स्टूडेंट वेलफेयर), डॉ नितिन शर्मा(कोऑर्डिनेटर, कल्चरल एंड फाइन आर्ट्स क्लब), डॉ मानवेन्द्र खत्री, डॉ रेनू भदोला डंगवाल, डॉ रामपाल पांडेय और संस्थान के अन्य सभी संकाय सदस्य और सभी छात्रो ने भाग लिया।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड ने वैश्विक मानवतावादी गुरूदेव श्री श्री रविशंकर की उपस्थिति में द आर्ट आफ लिविंग संस्था के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पौड़ी/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड ने 05 मार्च को वैश्विक मानवतावादी गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की उपस्थिति में द आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन पर एनआईटी, उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी और द आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के इंस्टीट्यूशनल प्रोग्राम के निदेशक राजीव नम्बिआर ने हस्ताक्षर किये। समझौता ज्ञापन के विषय में जानकारी देते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को जीवन के लिए तैयार करना है। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि 18-30 वर्ष की आयु अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह वह उम्र है जहां करियर, रिश्ते, साथियों और माता-पिता के दबाव और भविष्य के बारे में चिंता जैसे कई मुद्दे एक साथ सामने आते हैं। इन मुद्दों का युवाओं के समुचित विकास, अकादमिक और पेशेवर प्रदर्शन पर प्रतिकूल असर पड़ता। बावजूद इसके उन्हें तनाव से निपटने और नकारात्मक विचारो से मुक्ति पाने के बारे में न तो घर पर सिखाया जाता है और न ही स्कूल में। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से तकनीकी कौशल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करती है जबकि नई शिक्षा नीति- 2020 तकनीकी कौशल और लिबरल आर्ट्स (सॉफ्ट स्किल्स जैसे कि कम्युनिकेशन, डिस्कशन, डिबेट, टीमवर्क, सामाजिक और नैतिक जागरूकता आदि) के संयोजन से छात्रों के समग्र विकास पर केंद्रित है। प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा एनआईटी, उत्तराखंड और द आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के बीच इस साझेदारी का उद्देश्य मानव की बौद्धिक, सौंदर्य, सामाजिक, शारीरिक, भावनात्मक और नैतिक क्षमताओं को एकीकृत तरीके से विकसित करने के लिए द आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के आजमाए और परखे हुए छात्र विकास कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को नई शिक्षा नीति- 2020 के अनुसार एक समग्र, बहु-अनुशासनात्मक और मूल्य-आधारित शिक्षा देने के लिए लिबरल आर्ट्स के ज्ञान पहलुओं में प्रशिक्षित करना है। उन्होंने बताया कि इस समझौते में लिखित शर्तों के अनुसार द आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रो के लिए यूथ एम्पावरमेंट एंड स्किल्स प्रोग्राम卐 का आयोजन किया। इस प्रोग्राम में छात्रों को, तनाव प्रबंधन, समग्र शिक्षा, पारस्परिक संबंध, सहानुभूति और मानवीय मूल्य कौशल, बेहतर एकाग्रता, आत्मविश्वास, प्रेरणा, जिम्मेदारी, नेतृत्व, समय प्रबंधन, टीम वर्क, स्वस्थ आदतें और पर्यावरण, सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वास्थ्य, आत्म-जागरूकता, सकारात्मक दृष्टिकोण आदि के विषय में प्रशिक्षित किया जायेगा। इसके अलावा आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा संकाय सदस्यों और कर्मचारियों और अन्य हित धारकों के लिए के लिए तनाव, चिंता, नकारात्मकता से छुटकारा पाने और शांत और शांतिपूर्ण मन प्राप्त करने के लिए विशेष सत्र के आयोजन किये जाएंगे ताकि वे उत्साह, आशावाद, सामंजस्य पूर्ण पारस्परिक सम्बन्ध और टीम वर्क कि भावना के साथ काम कर सकें और संस्थान के विकास में अपना शत प्रतिशत और सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकें।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि तनाव मुक्त, स्वस्थ, खुश और सामाजिक रूप से जिम्मेदार जीवन जीने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग के प्रोग्राम्स विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस समझौते के पूर्व भी संस्थान द्वारा आर्ट ऑफ लिविंग के विशेष सत्रों का आयोजन किया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वार विगत वर्ष आर्ट ऑफ लिविंग के दो कार्यक्रम आयोजित किये गए थे। जिसमें एक प्रोग्राम 卐उत्पादकता वृद्धि-योग और ध्यान के माध्यम से卐 शीर्षक पर संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के लिए जबकि 卐युवा अधिकारिता और कौशल卐 कार्यक्रम का आयोजन छात्रों के लिए किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि संकाय सदस्यों और छात्रों ने अपनी प्रतिक्रिया में बताया कि इन कोर्सेज को करने के बाद उनके जीवन में नया बदलाव आया है और उनकी एकाग्रता में वृद्धि, याददाश्त में सुधार, आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी, निर्णय लेने की क्षमता में विकास, पारस्परिक संबंधों में मधुरता और ऊर्जा एवं कार्यक्षमता में वृद्धि हुई है और सभी ने इन कोर्सेज को पुनः आयोजित करने का निवेदन किया। मौके पर उपस्थित डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी (प्रभारी कुलसचिव और डीन स्टूडेंट वेलफेयर) ने बताया नयी शिक्षा नीति 2020 के मानदंडों के अनुसार और छात्र हित में किया गया यह समझौता हस्ताक्षर के दिन से तीन वर्षों के लिए वैध रहेगा। इस अवसर पर डॉ राकेश कुमार मिश्रा (एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर) एवं आर्ट ऑफ लिविंग श्री वरुण उपाध्याय, क्षेत्रीय निदेशक युवा विकास और सुश्री पॉलोमी मुखर्जी, क्षेत्रीय निदेशक सरकारी कार्यक्रम भी उपस्थित थे।

एनआइटी दो बसों का संचालन करेगा

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर प्रशासन ने संस्थान के छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए दो नई बसों की खरीद की है। सोमवार को इन दोनों नई बसों के एनआइटी परिसर पहुंचने पर आयोजित एक कार्यक्रम में पूजा अर्चना के उपरांत एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बसों के संचालन का शुभारंभ कराया।

छात्रों के लिए खरीदी गयी दो नई बसों का एनआइटी श्रीनगर परिसर में संचालन शुरू करवाते एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी • जागरण

कार्यक्रम में प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि छात्रों के प्लेसमेंट को लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियां श्रीनगर गढ़वाल आने से मना करती हैं ऐसी स्थिति में संबंधित छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्लेसमेंट कार्यक्रम में शामिल करवाने के लिए उन्हें देहरादून, ऋषिकेश अथवा दिल्ली ले जाना पड़ता है। संस्थान के पास अपनी परिवहन व्यवस्था नहीं होने से ऐसे समय में बसों को किराये पर लेना पड़ता था, लेकिन चारधाम यात्राकाल में समुचित किराये पर भी बसें मिलनी मुश्किल हो जाती थीं। जिससे छात्रों को प्लेसमेंट में ले जाने में प्रशासन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। प्रो. अवस्थी ने कहा कि इन्हीं कारणों को ध्यान में रखते हुए दो नई बसें खरीदी गयीं। अब संस्थान के पास अपनी बस सेवा होने से छात्रों की शैक्षणिक यात्राएं, इंडस्ट्रियल और अन्य साहसिक यात्राओं को लेकर उन्हें ले जाने में भी कोई दिक्कत नहीं होगी।

एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि छात्र निदेशक की प्राथमिकता के केंद्र में रहते हैं। नई बसों का प्रावधान करने का अपना वादा भी प्रो. ललित अवस्थी ने शीघ्र पूरा कर दिया है। जबकि छात्र पिछले कई सालों से इस सुविधा को उपलब्ध कराने की मांग कर रहे थे। एनआइटी के परिवहन समन्वयक डा. हितेश शर्मा, संस्थान के प्लानिंग एवं डेवलपमेंट के डीन डा. जीएस बरार के साथ ही संस्थान की अन्य फैकल्टियां, छात्र-छात्राएं और कर्मचारी उपस्थित थे।

एनआईटी उत्तराखंड ने खरीदी दो बसें

वर्षों बाद छात्रों की राह हुई आसान, निदेशक ने किया रवाना

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर के छात्रों की परिवहन समस्या को दूर करने के लिए एनआईटी ने दो बसों की खरीदारी की है। एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने रिबन काटकर बसों को रवाना किया।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि छात्रों के प्लेसमेंट के लिए आने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां संस्थान के सुदूर क्षेत्र में स्थित होने के कारण आने से मना कर देती हैं। ऐसी स्थिति में छात्रों को कंपनियों द्वारा निर्धारित स्थान जैसे देहरादून, ऋषिकेश या फिर दिल्ली ले जाना पड़ता है।

कई बार छात्रों को शैक्षणिक यात्राओं, इंडस्ट्रियल टूर, साहसिक यात्राओं, ट्रैकिंग आदि के सिलसिले में भी बाहर जाना पड़ता है। उस समय बसों को फिर किराये पर लेना पड़ता है। उन्होंने कहा की चारधाम यात्रा के दौरान कभी-कभी तय कार्यक्रम के अनुसार किराये पर भी बसों का मिलना मुश्किल हो जाता है। इससे छात्रों को असुविधा होती थी। कई बार छात्र समय पर नहीं पहुंच पाते हैं।

इन्ही सब कारणों को ध्यान में रखते हुए दो बसों की खरीदारी की गई है। इस मौके पर प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, परिवहन समन्वयक डॉ. हितेश शर्मा व डॉ. जीएस बरार आदि ने निदेशक का आभार जताया है।

राष्ट्रीय सहारा, मंगलवार, 07 मार्च 2023, Pa

एनआईटी ने छात्रों की सुविधा के लिए खरीदीं दो बसें

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर के छात्रों की परिवहन समस्या को दूर करने के लिए एनआईटी ने दो बसों की खरीदारी की है। दोनों बसों का शुभारंभ एनआईटी निदेशक प्रो.ललित कुमार अवस्थी ने रिबन काटकर किया।

इस मौके पर उन्होंने एनआईटी के सभी हितधारकों विशेष रूप से छात्रों को बसों के पहुंचने पर बधाई दी। प्रो. अवस्थी ने कहा कि छात्रों के प्लेसमेंट के लिए आने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां संस्थान के सुदूर क्षेत्र में स्थित होने के कारण आने से मना कर देती हैं, ऐसी स्थिति में छात्रों को कंपनियों द्वारा निर्धारित स्थान जैसे देहरादून, ऋषिकेश या फिर दिल्ली ले जाना पड़ता है। इसके अलावा कई बार छात्रों को शैक्षणिक यात्राओं, इंडस्ट्रियल टूर, साहसिक यात्राओं, ट्रैकिंग आदि के सिलसिले में भी बाहर जाना पड़ता है उस समय पर बसों को फिर किराये पर लेना पड़ता है। उन्होंने कहा की चारधाम यात्रा के दौरान कभी-कभी तय कार्यक्रम के अनुसार किराये पर भी बसों का मिलना मुश्किल हो जाता था जिससे छात्रों को असुविधा होती थी, इन्हीं सब कारणों को ध्यान में रखते हुए दो बसों की खरीदारी की गई है। इस मौके पर प्रभारी कुलसचिव डा.धर्मेंद्र त्रिपाठी, परिवहन समन्वयक डॉ. हितेश शर्मा, डॉ.जीएस बरार आदि मौजूद रहे।

श्रीनगर में एनआईटी की बसों का शुभारंभ करते निदेशक प्रो. अवस्थी। • हिन्दुस्तान

एनआईटी ने खरीदी दो बसें

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर के छात्रों की परिवहन समस्या को दूर करने के लिए एनआईटी ने दो बसों की खरीदारी की है। दोनों बसों का शुभारंभ एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने रिबन काटकर किया। इस मौके पर उन्होंने एनआईटी के सभी हितधारकों विशेष रूप से छात्रों को बसों के पहुंचने पर बधाई दी।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर में छात्रों हेतू दो बसें उपलब्ध

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पौडी/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी के अथक प्रयासों के फलस्वरूप छात्रों के परिवहन संकट को दूर करने के लिए दो बसों की खरीदारी की गयी है। दोनों बसों का उद्घाटन निदेशक ने संस्थान के रेशम फार्म स्थित प्रशासनिक भवन के सामने आयोजित समारोह में पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक प्रोफेसर अवस्थी ने एनआईटी के सभी हितधारकों विशेष रूप से छात्रों को बसों के पहुंचने पर बधाई दी और कहा कि उन्होंने नई बसों के प्रावधान के लिए छात्रों से किए गए अपने वादे को पूरा कर दिया है।

प्रोफेसर अवस्थी ने बताया की छात्रों के प्लेसमेंट के लिए आने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां संस्थान के सुदूर क्षेत्र में स्थित होने के कारण आने से मना कर देती है। ऐसी स्थित में छात्रों को कंपनियों द्वारा निर्धारित स्थान जैसे देहरादून, ऋषिकेश या फिर दिल्ली ले जाना पड़ता है। इसके अलावा कई बार छात्रों को शैक्षणिक यात्राओं, इंडस्ट्रियल टूर, साहसिक यात्राओं, ट्रैकिंग इत्यादि के सिलसिले में भी बाहर जाना पड़ता है। उस समय पर बसों को फिर किराये पर लेना पड़ता है। उन्होंने कहा की चारधाम यात्रा के दौरान कभी कभी तय कार्यक्रम के अनुसार किराये पर भी बसों का मिलना मुश्किल हो जाता था जिससे छात्रों को असुविधा होती थी। इन्ही सब कारणों को ध्यान में रखते हुए दो बसों की खरीदारी की गयी है।

प्रोफेसर अवस्थी ने बताया की पूर्व में भी संस्थान द्वारा बसों के खरीदने की योजना बनी थी , परन्तु कभी प्रशासनिक कारणों से तो कभी इच्छाशक्ति के कमी के कारण योजना मूर्त रूप नहीं ले सकी। उनके यहाँ निदेशक के रूप में कार्यभार सँभालने के बाद छात्रों ने अपनी समस्या उनके सामने रखी और निवारण करने का आग्रह किया। इसके बाद उन्होंने संस्थान के स्टूडेंट वेलफेयर सेक्शन और परिवहन विभाग के अधिकारियो के साथ बैठक कियाऔर कहा की जितनी जल्दी हो सके छात्रों की समस्या का समाधन किया जाए। अंततः संस्थान में दो बसें खरीदने की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी ।

प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने प्रोफेसर अवस्थी के कुशल प्रबंधन और प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान के छात्र निदेशक महोदय की प्राथमिकता के केंद्र में है। निदेशक ने छात्रों कि संवेदनाओ को पहचाना और उनके मार्गदर्शन और निर्देशन में संस्थान के स्थापना के बाद पहली बार बसों को खरीदने का कार्य अपने अंजाम तक पहुंच सका।

इस अवसर पर संस्थान के परिवहन समन्वयक डॉ हितेश शर्मा, डॉ जी एस बरार, डीन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एवं संस्थान के अन्य संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर के प्रतिनिधि मंडल ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सलाहकार से मुलाकात की

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पौडी/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के निर्देशानुसार संस्थान के दो सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सलाहकार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग के प्रमुख संजीव कुमार वार्ष्णेय जी से मुलाकात की।

प्रोफेसर अवस्थी ने बताया की यह एक औपचारिक मुलाकात थी और इसका मकसद अंतराष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन (एसटीआई) समझौतों के बारे में मार्गदर्शन लेना था। उन्होंने कहा एनआईटी, उत्तराखंड अभी एक नवोदित संस्थान है और संस्थान द्वारा समकक्ष संस्थानों में अग्रणी भूमिका के लिए कई नयी पहल की शुरुआत की जा रही है। इसी सन्दर्भ में प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी और डॉ राकेश मिश्रा की दो सदस्यों की टीम को भारतीय एवं अन्य देशों के संस्थानों के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार समझौतों की प्रक्रिया और उनके क्रियान्वयन के विषय जानकारी एकत्र करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग(डीएसटी), भारत सरकार का दौरा करने के लिए भेजा गया था प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि अब इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कि सम्भावनाओ को तलाशने के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने पर विचार किया जगाए ताकि विकसित और विकासशील देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाते हुए कुछ ऐसी वैज्ञानिक परियोजनाओं को शुरू किया जा सके जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए भी प्रासंगिक हो साथ साथ भविष्य में आने वाली तकनीकों के लिए भी उपयोगी साबित हो। प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने मुलाकात को सार्थक बताया और कहा कि वार्ष्णेय ने आश्वासन दिया है की वे भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव के साथ एन आई टी उत्तराखंड का दौरा करेंगे और अंतराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की दिशा में पूरा मार्गदर्शन और सहयोग देंगे। इसके साथ ही वार्ष्णेय ने सुझाव भी दिया की एनआईटी को उत्तराखंड राज्य में स्थित अन्य केंद्रीय संस्थाओ जैसे आई आई टी रूड़की, गढ़वाल यूनिवर्सिटी, वाडिया वाडिया इंस्टिट्यूट, सीबीआरआई आदि के साथ मिलकर जोशीमठ के संकट का समाधान ढूढ़ने का प्रयास करना चाहिए। इस पर डॉ त्रिपाठी ने श्री वार्ष्णेय जी को बताया कि संस्थान के निदेशक महोदय दूरदर्शी विचारो के है और वे उत्तराखंड राज्य कि समस्याओ के समाधान के प्रति काफी सजग रहते है। उन्होंने पहले ही संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सदस्यों कि एक टीम को जोशीमठ के दौरे पर भेज दिया था और टीम द्वारा बताये गए सुझावो को उत्तराखंड शासन के सुपुर्द भी कर दिया गया है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्रों को मिली दो बसें

दैनिक सरल एक्सप्रेस/गबर सिंह भण्डारी/श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी के अथक प्रयासों के फलस्वरूप छात्रों के परिवहन संकट को दूर करने के लिए दो बसों की खरीदारी की गयी है। दोनों बसों का उद्घाटन निदेशक ने संस्थान के रेशम फार्म स्थित प्रशासनिक भवन के सामने आयोजित समारोह में पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक प्रोफेसर अवस्थी ने एनआईटी के सभी हितधारकों विशेष रूप से छात्रों को बसों के पहुंचने पर बधाई दी और कहा कि उन्होंने नई बसों के प्रावधान के लिए छात्रों से किए गए अपने वादे को पूरा कर दिया है।

प्रोफेसर अवस्थी ने बताया की छात्रों के प्लेसमेंट के लिए आने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां संस्थान के सुदूर क्षेत्र में स्थित होने के कारण आने से मना कर देती है। ऐसी स्थित मे छात्रों को कंपनियों द्वारा निर्धारित स्थान

जैसे देहरादून, ऋषिकेश या फिर दिल्ली ले जाना पड़ता है। इसके अलावा कई बार छात्रों को शैक्षणिक यात्राओं, इंडस्ट्रियल टूर, साहसिक यात्राओं, ट्रैकिंग इत्यादि के सिलसिले में भी बाहर जाना पड़ता है। उस समय पर बसों को फिर किराये पर लेना पड़ता है। उन्होंने कहा की चारधाम यात्रा के दौरान कभी कभी तय कार्यक्रम के अनुसार किराये पर भी बसों का मिलना मुश्किल हो जाता था जिससे छात्रों को असुविधा होती थी। इन्ही सब कारणों को ध्यान में रखते हुए दो बसों की खरीदारी की गयी है।

प्रोफेसर अवस्थी ने बताया की पूर्व में भी संस्थान द्वारा बसों के खरीदने की योजना बनी थी। परन्तु कभी प्रशासनिक कारणों से तो कभी इच्छाशक्ति के कमी के कारण योजना मूर्त रूप नहीं ले सकी।

उनके यहाँ निदेशक के रूप में कार्यभार सँभालने के बाद छात्रों ने अपनी समस्या उनके सामने रखी और निवारण करने का आग्रह किया। इसके बाद उन्होंने संस्थान के स्टूडेंट वेलफेयर सेक्शन और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कियाऔर कहा की जितनी जल्दी हो सके छात्रों की समस्या का समाधान किया जाए। अंतत संस्थान में दो बसें खरीदने की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी। प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने प्रोफेसर अवस्थी के कुशल प्रबंधन और प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान के छात्र निदेशक महोदय की प्राथमिकता के केंद्र में है। निदेशक महोदय ने छात्रों कि संवेदनाओं को पहचाना और उनके मार्गदर्शन और निर्देशन में संस्थान के स्थापना के बाद पहली बार बसों को खरीदने का कार्य अपने अंजाम तक पहुंच सका। इस अवसर पर संस्थान के परिवहन समन्वयक डॉ हितेश शर्मा, डॉ जी एस बरार, डीन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एवं संस्थान के अन्य संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

एनआईटी के दल ने जाना नवप्रवर्तन समझौतों के बारे में

श्रीनगर। एनआईटी श्रीनगर के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सलाहकार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग विभाग के प्रमुख संजीव कुमार से मुलाकात की।

एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि यह एक औपचारिक मुलाकात थी जिसका मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन (एसटीआई) समझौतों के बारे में मार्गदर्शन लेना था। प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने मुलाकात को सार्थक बताया। उन्होंने सुझाव भी दिया की एनआईटी को उत्तराखंड राज्य में स्थित अन्य केंद्रीय संस्थाओं जैसे आईआईटी रुड़की, गढ़वाल यूनिवर्सिटी, वाडिया आदि के साथ मिलकर जोशीमठ के संकट का समाधान ढूंढना चाहिए। संवाद

बदलते तकनीकों के साथ किसान व्यवस्थित तरीके से करें कृषि: प्रो. अवस्थी

हर्प्रेक विभाग में किसानों की दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी एवं शोध केंद्र (हैप्रेक) में क्षेत्रिय एवं सुगमता केंद्र, उत्तर भारत जोगेन्द्रनगर, हिमाचल प्रदेश, औषधीय पादप बोर्ड भारत सरकार एवं डीबीटी परियोजना के तहत जड़ी-बूटी कृषिकरण एवं व्यापार अवसर एवं चुनौतीयां विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में चार जिलों के किसान मौजूद थे। इस अवसर पर जड़ी-बूटी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर 14 किसानों को सम्मानित किया गया।

सोमवार को हैप्रेक विभाग के के नंदन मैमोरियल हाल में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला शोधार्थियों और किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। कहा कि बदलते तकनीकों के साथ-साथ किसानों को व्यवस्थित तरीके कृषिकरण करना होगी। इस मौके पर गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि किसनों को अपने पहाड़ों की परंपरा और धरोहरों के सहजने की जरूरत है। कहा कि प्रकृति ने जो हमे परंपरागत रूप से दिया है उसे हमे सहजेना होगा और उसे इस तरह से संवारना होगा, जिससे उस उत्पादक को बाजार मिल सकें। इस मौके पर मुख्य वक्ता डाबर इंडिया लिमिटेड के एचओडी डा. पंकज प्रसाद रतूडी ने प्रजेंटेशन के माध्यम से काश्तकारों तक इण्डस्ट्री की आवश्यकता के मापदण्डो की जानकारी दी। कहा कि किसानों को स्मार्ट फार्मिंग के ओर बढना होगा। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि उद्यान विभाग के जिला विकास प्रबंधन नाबार्ड भूपेंद्र सिंह ने भारत सरकार के ओर से कृषकों के लिए संचालित की जा रही योजनाओं को बताया। कहा कि नबार्ड के ओर से भारत सरकार की योजनाओं को क्रियान्वित कर कृषक उत्पादन संगठन (एफटीओ) के माध्यम से कृषकों के उत्पादक को बाजार दिया जा रहा है। उन्होंने सभी कृषकों को सरकार की योजनाओं का लाभ लेने को कहा। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत हैप्रेक विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एमसी नौटियाल तथा मंच का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. विजयकांत पुरोहित ने किया।

इस मौके पर प्रो. आरके मैखुरी, प्रो. प्रकाश चंद्र नौटियाल, डा. बबिता पाटनी, डा. विजयलक्ष्मी त्रिवेदी, डा. वैशाली चंदोली, डा. सुधीप सेमवाल, डा. प्रदीप डोभाल, डा. राजीव रंजन, जयदेव चौहान, अजय हेमदान, ऑशिका पोखरियाल, अकांक्षा बिष्ट, मोनाली, पल्लवी सती मौजूद थे।

प्रकृति के वरदान को हमें सहेजना भी होगा : प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: जड़ी बूटी कृषिकरण और व्यापार अवसर व चुनौतियां विषय को लेकर गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के उच्च शिखरीय पादप कार्यकी एवं शोध केंद्र (हैप्रक संस्थान) में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सोमवार से शुरू हो गई। भारत सरकार के औषधि पादप बोर्ड और क्षेत्रीय व सुगमता केंद्र उत्तर भारत जोगेंद्रनगर हिमाचल प्रदेश इस कार्यशाला आयोजन में सहयोगी हैं।

गढ़वाल केंद्रीय विवि हैप्रक संस्थान सभागार में आयोजित कार्यशाला में जड़ी बूटी कृषिकरण के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने पर रयीराली गांव के देवेश्वर प्रसाद खंडूड़ी को सम्मानित करती कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ● जागरण

14 किसानों को किया सम्मानित

जड़ी बूटी कृषिकरण के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले 14 किसानों को गढ़वाल केंद्रीय विवि की ओर से सम्मानित किया गया। क्वीराली पौड़ी के देवेश्वर प्रसाद खंडूड़ी, भैंसवाड़ा गांव के विनोद रावत, रामणी गांव के तीरथ सिंह नेगी, पोखरी पौड़ी के रामकृष्ण पोखरियाल, बंदासा टिहरी के रघुवीर सिंह रावत, त्यूनी रुद्रप्रयाग के ड. डीएस रावत, स्यारी रुद्रप्रयाग के सुखदेव पंत, चमोली के हिमनी गांव के नारायण सिंह दानू, कुलपड़ी गांव के महिपाल सिंह नेगी, लुसियाना गांव के सुदर्शन सिंह, बदुख गांव की रुकमा देवी, घेस गांव के मोहन सिंह बिष्ट, जयवीर सिंह बिष्ट के साथ ही डाबर संस्थान साहिबाबाद के डा. पंकज रतूड़ी को भी कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी, डाबर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी डा. पंकज प्रसाद रतूड़ी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने जड़ी बूटी कृषिकरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे किसानों एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति ने परंपरागत रूप से हमें बहुत कुछ दिया है। उसे हमें सहेजना होगा।

प्रकृति के वरदान को इस तरह से संवारना हमारी भी जिम्मेदारी है, जिससे वरदान से जुड़े उत्पादक को आसानी से अच्छा बाजार भी मिल सके। कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने किसानों से कहा कि पहाड़ों की परंपरा और धरोहरों को सहेजने की भी जरूरत है।

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि बदलती तकनीकों के साथ-साथ किसानों को व्यवस्थित तरीके से भी जड़ी बूटी कृषिकरण के कार्य को बढ़ावा देना चाहिए। कार्यशाला को किसानों के साथ ही शोधार्थियों के लिए भी बहुत लाभकारी बताते हुए उन्होंने कहा कि नए उद्यमियों के लिए यहां से एक मंच भी उन्हें मिलेगा। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि जड़ी बूटी कृषिकरण को बढ़ावा मिलने से पहाड़ से पलायन भी रुकेगा। इस क्षेत्र में एनआइटी भी हैप्रक संस्थान को पूर्ण सहयोग देगा।

डाबर इंडिया लिमिटेड के विभागाध्यक्ष डा. पंकज प्रसाद रतूड़ी ने प्रजेंटेशन के माध्यम से काश्तकारों को जड़ी बूटी इंडस्ट्री की आवश्यकता के मापदंडों के बारे में बताया। स्मार्ट फार्मिंग पर विशेष जोर देते हुए डा. पंकज रतूड़ी ने किसानों को हाइड्रोपोनिक टेक्नोलोजी के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। नाबार्ड से आए भूपेंद्र सिंह ने भारत सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के बारे में बताया।

गढ़वाल केंद्रीय विवि हैप्रक संस्थान के अध्यक्ष प्रोफेसर डा. एमसी नौटियाल ने कहा कि पहाड़ में जड़ी बूटी कृषिकरण को बढ़ावा देने के लिए हैप्रक संस्थान के वैज्ञानिक निरंतर दूरस्थ क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। हैप्रक संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. विजयकांत पुरोहित ने हैप्रक संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों और संस्थान के फील्ड स्टेशनों के बारे में जानकारी दी। डा. विजयकांत पुरोहित ने कहा कि हैप्रक संस्थान की पहल से पहाड़ के किसानों को जड़ी बूटी कृषिकरण से अब बेहतर आमदनी भी होने लगी है। डा. बबीता पाटनी, डा. विजयलक्ष्मी त्रिवेदी, डा. प्रदीप डोभाल, डा. राजीव रंजन, अंशिका पोखरियाल, आकांक्षा बिष्ट, पल्लवी सती, मोनाली के साथ ही प्रो. आरके मैखुरी, प्रो. प्रकाश चंद्र नौटियाल, डा. वैशाली, डा. प्रदीप डोभाल, डा. सुधीर सेमवाल भी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सहारा, मंगलवार, 14 मार्च 2023, Pag

किसान व्यवस्थित तरीके से करें कृषि : प्रो.अवस्थी

श्रीनगर/एसएनबी। हेनब गढ़वाल केंद्रीय वि वविद्यालय के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी एवं शोध केंद्र (हैप्रेक) में क्षेत्रिय एवं सुगमता केंद्र, उत्तर भारत जोगेन्द्रनगर, हिमाचल प्रदेश, औषधीय पादप बोर्ड भारत सरकार एवं डीबीटी परियोजना के तहत जड़ी-बूटी कृषिकरण एवं व्यापार: अवसर एवं चुनौतीयां विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

- जड़ी-बूटी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर 14 किसानों को किया गया सम्मानित

कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में चार जिलों के किसान मौजूद थे। इस मौके पर जड़ी-बूटी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर 14 किसानों को सम्मानित किया गया। सोमवार को हैप्रेक विभाग केके नंदन मैमोरियल हाल में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला शोधार्थियों और किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। कहा कि एनआईटी भी इस क्षेत्र में हैप्रेक विभाग की मदद के लिए आगे आयेगा। इस मौके पर गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि किसनों को अपने पहाड़ों की परंपरा और धरोहरों के सहजने की जरूरत है। इस मौके पर मुख्य वक्ता डाबर इंडिया लिमिटेड के एचओडी डा. पंकज प्रसाद रतूड़ी ने प्रजेंटेशन के माध्यम से काश्तकारों तक इण्डस्ट्री की आवश्यकता के मापदण्डों की जानकारी दी।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि उद्यान विभाग के जिला विकास प्रबंधन नाबार्ड भूपेंद्र सिंह ने केंद्र सरकार के ओर से कृषकों के लिए संचालित की जा रही योजनाओं को बताया। कहा कि नबार्ड के ओर से भारत सरकार की योजनाओं को क्रियान्वित कर कृषक उत्पादन संगठन (एफटीओ) के माध्यम से कृषकों के उत्पादक को बाजार दिया जा रहा है। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत हैप्रेक विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एमसी नौटियाल तथा मंच का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. विजयकांत पुरोहित ने किया।

इस मौके पर प्रो. आरके मैखुरी, प्रो. प्रकाश चंद्र नौटियाल, डा. बबिता पाटनी, डा. विजयलक्ष्मी त्रिवेदी, डा. वैशाली चंदोली, डा. सुधीप सेमवाल, डा. प्रदीप डोभाल, डा. राजीव रंजन, जयदेव चौहान, अजय हेमदान, अंशिका पोखरियाल आदि थे।

जड़ी-बूटी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर किसानों को सम्मानित करती कुलपति प्रो. नौटियाल।

एमओयू के साथ प्रो. अवस्थी व ग्राफिक एरा हिल विवि के निदेशक। संवाद

'शोध गतिविधियों को एमओयू से मिलेगा बढ़ावा'

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने शैक्षणिक व शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी देहरादून व ग्राफिक एरा एजुकेशन सोसायटी के बीच एमओयू (अकादमिक समझौता) किया है।

इसके बाद अब इन तीनों संस्थानों के छात्र-छात्राएं, संकाय एक-दूसरे संस्थान की गतिविधियों का हिस्सा बन सकते हैं। इससे शोध की दिशा में विशेष तौर पर मदद मिलेगी।

एनआईटी, ग्राफिक एरा विवि व एजुकेशन सोसायटी के बीच हुआ एमओयू

बृहस्पतिवार को एनआईटी उत्तराखंड के हिस्से में एक नई उपलब्धि जुड़ गई है। एनआईटी संस्थान ने छात्रों को नवाचार, सृजनशीलता व शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए एमओयू किया है। एनआईटी के निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि इस एमओयू से छात्रों, शिक्षकों और शोधार्थियों को व्यापक स्तर पर लाभ मिलेगा।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी देहरादून के डायरेक्टर जनरल प्रो. एचएन नागराजा ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड के साथ एमओयू अकादमिक सहयोग के नए मानक स्थापित करेगा। निश्चित रूप से शोधार्थियों, संकाय सदस्यों और छात्रों को इसका लाभ मिलेगा। ग्राफिक एरा एजुकेशन सोसायटी के डायरेक्टर जनरल प्रो. संजय जसोला ने कहा कि यह प्रयास संस्थानों के संकाय और छात्रों के लिए सहयोग का अवसर प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

एमओयू आईआईटी रुड़की के सेवानिवृत्त प्रोफेसर व ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक सलाहकार डॉ. आरसी जोशी के मार्गदर्शन में किया गया। इस मौके पर डॉ. हरिहरन मुथ्थुसामी मौजूद रहे। संवाद

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर एवं ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी देहरादून में शैक्षणिक और अनुसंधान पर दोनों संस्थानों के मध्य एक अकादमिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड द्वारा शोध और नवप्रवर्तन के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए एक तरफ बदलते शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के अनुकूल समय-समय पाठ्यक्रम में लगातार सुधार किया जा रहा है, वही दूसरी तरफ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बहु-विषयक, बहु संस्थागत एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा हेतु विभिन्न शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ अपने अकादमिक सहयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी संदर्भ में मंगलवार 23 मार्च को प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी, निदेशक एनआईटी उत्तराखंड और प्रोफेसर एच एन नागराजा, डायरेक्टर जनरल, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून एवं प्रोफेसर संजय जसोला, डायरेक्टर जनरल, ग्राफिक एरा एजुकेशन सोसाइटी, देहरादून ने एक अकादमिक समझौते पर हस्ताक्षर किये। समझौता ज्ञापन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा एनआईटी उत्तराखंड विभिन्न क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर के संस्थानों और प्रतिष्ठानों के साथ अपने अकादमिक और औद्योगिक सम्बन्धो को मजबूत कर रहा ताकि छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को मानवीय जरूरतों को बेहतर तरीके से संबोधित करने के लिए व्यापक अवसर मिल सके। उन्होंने कहा की इस समझौता ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों, छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और संयुक्त प्रकाशनों के माध्यम से दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों और शोध छात्रों के बीच अकादमिक बातचीत और सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि इस समझौते में उल्लिखित नियमो और शर्तों के अनुसार दोनों पक्ष जहां तक संभव हो अपनी अपनी विशेषज्ञता के अनुसार ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे जिससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप छात्रों को बहु-विषयक, बहु संस्थागत, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं फ्लेक्सिबल टीचिंग लर्निंग प्रदान करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों को सफल बनाया जा सके। इसके अलावा दोनों पक्ष आपसी हितों के आधार पर संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों जैसे अल्पकालिक पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला, सम्मेलन, विशेषज्ञ व्याख्यान, संकाय विकास कार्यक्रम, पाठ्येतर गतिविधियों आदि का आयोजन भी कर सकते हैं। प्रोफेसर अवस्थी ने आशा व्यक्त की कि यह समझौता दोनों संस्थाओ के छात्रों के पोषण और भविष्य निर्माण के लिए पेशेवर उत्कृष्टता के साथ जीवंत और उद्यमशील माहौल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर एच एन नागराजा ने समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एनआईटी उत्तराखंड राष्ट्रीय महत्व का एक अग्रणी शैक्षिणक संस्थान है। मुझे विश्वास है कि यह समझौता ज्ञापन अकादमिक सहयोग के नए मानक स्थापित करेगा और निश्चित रूप से इससे दोनों पक्षों के शोधार्थियों, संकाय सदस्यों और छात्रों को लाभ होगा।

प्रोफेसर संजय जसोला ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के संकाय और छात्रों के लिए सहयोग का अवसर प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।मौके पर डॉ हरिहरन मुथुसामी, डीन फैकल्टी वेलफेयर, एनआईटी उत्तराखंड एवं ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह समझौता ज्ञापन डॉ आर सी जोशी, पूर्व प्रोफेसर आई आई टी रुड़की और ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक सलाहकार के मार्गदर्शन और परामर्श से किया गया।

एनआइटी–ग्राफिक एरा मिलकर करेंगे कार्य

ग्राफिक एरा दून के सभागार में दोनों संस्थानों के मध्य हुआ अकादमिक समझौता

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : शिक्षण और शोध क्षेत्र के साथ ही नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में एनआइटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड श्रीनगर और ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी देहरादून अब मिलकर कार्य करेंगे। इसके लिए ग्राफिक एरा दून के सभागार में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने और ग्राफिक एरा हिल की ओर से संस्थान के महानिदेशक प्रो. एचएन नागराजा और प्रो. संजय जसोला ने अकादमिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। आइआइटी रुड़की के पूर्व प्रोफेसर और ग्राफिक एरा संस्थान के शैक्षणिक सलाहकार डा. आरसी जोशी के मार्गदर्शन और प्रयासों से संभव हो पाया।

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक (मध्य में दायें से) प्रो. ललित अवस्थी और ग्राफिक एरा संस्थान के प्रो. नागराजा किए गए एमओयू के साथ ● गढ़वाल

इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि यह अकादमिक समझौता हो जाने के बाद उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दोनों संस्थानों के मध्य अकादमिक और औद्योगिक संबंधों को जहां और मजबूती मिलेगी वहीं छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को कार्य करने के व्यापक अवसर भी मिलेंगे। दोनों संस्थान अपनी-अपनी विशेषज्ञताओं के अनुसार सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगे, जो छात्रों को बहुविषयक, बहुसंस्थागत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही फ्लैक्सिबल टीचिंग लर्निंग प्रदान करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों को सफल भी बनाएंगे। दोनों संस्थान अल्पकालिक पाठ्यक्रम सेमिनार, कार्यशाला के साथ ही विशेष व्याख्यान कार्यक्रमों का भी आयोजन करेंगे। प्रो. अवस्थी ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों के छात्रों के भविष्य निर्माण के लिए पेशेवर उत्कृष्टता के साथ ही जीवंत और उद्यमशील माहौल प्रदान करने में भी सहायक सिद्ध होगा। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के प्रो. एचएन नागराजा ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के एनआइटी उत्तराखंड के साथ हुआ यह समझौता अकादमिक सहयोग के नए मानक भी स्थापित करेगा। प्रो. संजय जसोला ने कहा कि दोनों संस्थानों की फैकल्टियों और छात्रों के लिए परस्पर सहयोग का अवसर प्रदान करने में यह समझौता मील का पत्थर भी साबित होगा। एनआइटी के डा. हरिहरन मुथुसामी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

साझा होंगी शैक्षणिक गतिविधियां: अवस्थी

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड श्रीनगर एवं ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी देहरादून के बीच अकादमिक समझौता (एमओयू) हुआ है।

जिस पर एनआईटी की ओर से निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की ओर से निदेशक प्रो. एचएन नागराजा तथा ग्राफिक एरा एजुकेशन सोसायटी के डायरेक्टर जनरल संजय जसोला ने हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के तहत तीनों संस्थानों के बीच अकादमिक गतिविधियां साझा होंगी। एनआईटी निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा एनआईटी उत्तराखंड विभिन्न क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर के संस्थानों और

एनआईटी उत्तराखंड और ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के बीच हुआ एमओयू।

प्रतिष्ठानों के साथ अपने अकादमिक और औद्योगिक संबंधों को मजबूत कर रहा है जिससे छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को व्यापक अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा की इस समझौता ज्ञापन का प्राथमिक उद्देश्य संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों, छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और संयुक्त प्रकाशनों के माध्यम से दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों और शोध छात्रों के बीच अकादमिक बातचीत और सहयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह समझौता दोनों संस्थाओं के छात्रों के पोषण और भविष्य निर्माण के लिए पेशेवर उत्कृष्टता के साथ जीवंत और उद्यमशील माहौल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून के डायरेक्टर जनरल प्रो. एचएन नागराजा ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड के साथ हुआ समझौता ज्ञापन अकादमिक सहयोग के नए मानक स्थापित करेगा और निश्चित रूप से इससे दोनों पक्षों के शोधार्थियों को लाभ मिलेगा।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उनके बेहतर भविष्य को लेकर कृत संकल्पित है

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ – साथ उनके बेहतर भविष्य को लेकर कृत संकल्पित है। इसी सन्दर्भ में निदेशक द्वारा करियर निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए संस्थान के सीनियर छात्रों और करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अधिकारियो के साथ शुक्रवार 24 फ़रवरी को एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन के बारे में बात करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा करियर काउंसलिंग एक जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है क्योंकि इसमें एक व्यक्ति किसी विशेष और पसंदीदा क्षेत्र का चयन करता है, उसके लिए तैयारी करता है और उसमें निरंतर प्रगति के लिए प्रयासरत रहता है। यह सत्र छात्रों को एक जागरूक करियर विकल्प चुनने में मार्गदर्शन देने के लिए आयोजित किया गया था ताकि एन आई टी

उत्तराखंड के प्रत्येक छात्र को नौकरी उन्मुख व्यक्ति के बजाय करियर उन्मुख बनाया जा सके। सत्र के दौरान चर्चा करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी सरकारी संस्था में कार्यरत हो, किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान में हो या फिर किसी शैक्षणिक संस्था में अध्ययनरत छात्र ही क्यों न हो, एक सफल कैरियर सभी का लक्ष्य होता है। बेहतर कार्य करने कि दक्षता, दबाव में काम करना और समय सीमा के भीतर कार्यों को अच्छी तरह से करने की क्षमता किसी भी व्यक्ति के करियर की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। परन्तु, इन सबके अलावा जीवन कौशल भी करियर की प्रगति में चमत्कारिक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने छात्रों से कहा आलोचनाओं की स्वीकारोक्ति, आशावादी दृष्टिकोण, सामंजस्य की क्षमता, आत्मविश्वास, दृढ निश्चय और मृदुभषिता ऐसे जीवन कौशल है जो व्यक्ति के करियर को सवारने के साथ स्थिरता भी प्रदान करते है।

इस दौरान करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रमुख डॉ हरिहरन मुथुसामी ने प्लेसमेंट के लिए संस्थान का दौरा करने वाली विभिन्न औद्योगिक इकाइयों और उनकी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के बारे में छात्रों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी साथ साथ प्लेसमेंट में सफलता पाने के लिए आवश्यक स्किल सेट के बारे में छात्रों को बताया। उन्होंने छात्रों से प्लेसमेंट के दौरान आने वाली मनोवैज्ञानिक और अकादमिक कठिनाइयों के बारे में बात की ताकि उन कठिनाइयों को त्वरित दूर करते हुए निदेशक महोदय के शत प्रतिशत इन कैंपस प्लेसमेंट के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

मौके पर डॉ विकास कुकशाल, डॉ प्रशांत तिवारी एवं करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अन्य कर्मचारी भी उपास्थि थे।

छात्रों को करियर उन्मुख बनाना लक्ष्य : प्रो. ललित अवस्थी

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) के छात्रों को नौकरी उन्मुख बनाने के बजाय करियर उन्मुख बनाने के लक्ष्य को लेकर संस्थान कार्य कर रहा है।

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के बेहतर काउंसिलिंग को लेकर संस्थान के सभागार में आयोजित इंटरेक्टिव कार्यक्रम को संबोधित करते यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि करियर काउंसिलिंग जीवन पर्यंत चलने वाली एक प्रक्रिया है। जिसमें किसी विशेष और पसंदीदा क्षेत्र का चयन कर व्यक्ति उसके लिए तैयारी करने के साथ ही उस क्षेत्र में निरंतर प्रगति के लिए प्रयासरत रहता है। जागरूक करियर चुनने में सही मार्गदर्शन देने को लेकर इंटरेक्टिव कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि बेहतर कार्य करने की दक्षता, समय सीमा के अंदर कार्यों का अच्छी तरह से निष्पादन करना किसी भी व्यक्ति के करियर की उन्नति में महत्वपूर्ण होते हैं। आशावादी दृष्टिकोण, सामंजस्य की क्षमता, दृढ़ निश्चय, आत्मविश्वास, आलोचनाओं की स्वीकारोक्ति और मृदुभाषी ऐसे जीवन कौशल हैं जो व्यक्ति के करियर को संवारने के साथ ही उसे स्थिरता और प्रगति भी प्रदान करते हैं। एनआइटी श्रीनगर के करियर काउंसिलिंग और प्लेसमेंट सेल के प्रमुख डा. हरिहरन मुथुसामी ने प्लेसमेंट को लेकर औद्योगिक इकाईयों और उनकी जरूरतों तथा अपेक्षाओं के बारे में छात्रों को बताया। छात्रों के साथ संवाद करते हुए डा. मुथुसामी ने प्लेसमेंट के दौरान आने वाले मनोवैज्ञानिक और अकादमिक कठिनाइयों के बारे में भी विचार साझा किए।

राष्ट्रीय सहारा, सोमवार, 27 मार्च 2023, Page No 04.

सफल करियर प्राप्त करना सभी का लक्ष्य

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड में कैरियर काउंसलिंग को लेकर इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने करियर काउंसलिंग, प्लेसमेंट सेल और छात्रों के साथ करियर निर्माण को लेकर विशेष चर्चा की गई। इस मौके पर एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ वह उनके बेहतर भविष्य के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस मौके पर डा. विकास कुकशाल, डा. प्रशांत तिवारी आदि थे।

करियर में जीवन कौशल की भी अहम भूमिका: प्रो. अवस्थी

बोले, वह छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए दृढ़ संकल्पित

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड में कैरियर काउंसलिंग को लेकर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान के निद. 'शक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कैरियर काउंसलिंग, प्लेसमेंट सेल और छात्रों के साथ करियर निर्माण को लेकर विशेष चर्चा की इस मौके पर एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ-साथ वह उनके बेहतर भविष्य के लिए दृढ़ संकल्पित है।

कहा कि करियर काउंसलिंग एक जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। क्योंकि इसमें एक व्यक्ति किसी विशेष और पसंदीदा क्षेत्र का चयन करता है, उसके लिए तैयारी करता है और उसमें निरंतर प्रगति के लिए प्रयासरत रहता है। कहा प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी सरकारी संस्था में कार्यरत हो, किसी व्यापा. रिक प्रतिष्ठान में हो या फिर किसी शैक्षणिक संस्था में अध्ययनरत छात्र ही क्यों न हो, एक सफल कैरियर सभी का लक्ष्य होता है। बेहतर कार्य करने कि दक्षता, दबाव में काम करना और समय सीमा के भीतर कार्यों को अच्छी तरह से करने की क्षमता किसी भी व्यक्ति के करियर की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। परन्तु, इन सबके अलावा जीवन कौशल भी करियर की प्रगति में चमत्कारिक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने छात्रों से कहा आला. 'चनाओं की स्वीकारोक्ति, आशावादी दृष्टिकोण, सामंजस्य की क्षमता, आत्मविश्वास, दृढ निश्चय और मृदुभषिता ऐसे जीवन कौशल है जो व्यक्ति के करियर को सवारने के साथ स्थिरता भी प्रदान करते है। इस दौरान करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के प्रमुख डा. हरिहरन मुथुसामी ने प्लेसमेंट के लिए संस्थान का दौरा करने वाली विभिन्न औद्योगिक इकाइयों और उनकी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के बारे में छात्रों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ साथ प्लेसमेंट में सफलता पाने के लिए आवश्यक स्किल सेट के बारे में छात्रों को बताया।

इस मौके पर डा. विकास कुकशाल, डा. प्रशांत तिवारी एवं करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

एनआइटी को मिलेंगे 29 अधिकारी

श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर को शीघ्र ही स्थायी कुलसचिव, उपकुलसचिव, अधिशासी अभियंता, मेडिकल आफिसर के साथ ही कुल 29 अधिकारी शीघ्र मिल जाएंगे। एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में गठित चयन समिति की ओर से 29 पदों पर नियुक्ति को लेकर शुरू की गई प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इन 29 पदों के लिए 1300 आवेदकों ने आवेदन किया था, जिसमें प्रारंभिक जांच (स्क्रूटनी) के बाद 1165 अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया के अगले चरण के लिए उपयुक्त पाया गया। प्रो. अवस्थी ने कहा कि संस्थान में समूह क, ख और ग के 29 पदों के लिए चयन प्रक्रिया गतिमान है। समूह ख और समूह ग पदों पर नियुक्ति के लिए अब साक्षात्कार नहीं होगा।(जासं)

एनआईटी में कई पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर/एसएनबी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड में शिक्षणेतर कर्मचारियों के विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है।

एनआईटी के निदेशक प्रो.ललित कुमार अवस्थी ने समूह क, ख, और ग के तहत रजिस्ट्रार, डिप्टी रजिस्ट्रार, मेडिकल अफसर, असिस्टेंट लाइब्रेरियन, एजीक्यूटिव इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर, सुपरिन्टेन्डेन्ट, टेक्निकल असिस्टेंट, तकनीशियन, जूनियर असिस्टेंट, ऑफिस अटेंडेंट के रिक्त पदो को भरने के लिए विगत वर्ष अगस्त माह में विज्ञापन जारी किया था।

एनआईटी प्रशासन के मुताबिक कुल कुल 16 पदो के सापेक्ष लगभग 1300 लोगो ने आवेदन किया था, जिसमे प्रारंभिक जांच के बाद करीब 1168 आवेदन को चयन प्रक्रिया के अगले चरण के लिए उपयुक्त पाया गया। प्रो. अवस्थी ने बताया कि सभी पदो पर नियुक्तियो के लिए 17 मार्च से 19 मार्च के बीच अलग अलग

16 पदों के सापेक्ष 1300 लोगों ने किया आवेदन

लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इसके लिए संस्थान के कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की परीक्षा केंद्र बनाया गया था। प्रो. अवस्थी ने कहा कि परीक्षा को पूर्णरूपेण पारदर्शी, निष्पक्ष, जवाबदेह, कदाचारमुक्त एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से कराना उनकी पहली प्राथमिकता थी। सभी परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरो की निगरानी में परीक्षा आयोजित की गई। प्रो. अवस्थी ने बताया की परीक्षा को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए काफी पहले से तैयारियां शुरू कर दी गयी थीं और ऑफलाइन परीक्षा के बाद कॉपी चेकिंग में लगने वाले समय और मानव श्रम को ध्यान में रखते हुए एक विशेष सॉफ्टवेयर लिखित परीक्षा कराने की योजना बनायीं गयी थी। कहा कि ये काफी उपयोगी सॉफ्टवेयर है।

अब सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों के छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से होने वाली परीक्षा देने के लिए देहरादून, दिल्ली या अन्य शहरो में नहीं जाना पड़ेगा और वे नेट, गेट, जेईई, नीट, सीयूइटी आदि परीक्षाओं के लिए एनआईटी उत्तराखंड को परीक्षा केंद्र के रूप में चयन करके सुगमता से परीक्षा दे सकते हैं। परीक्षा कार्यक्रम के नोडल अफसर रिकृटमेंट, डॉ हरिहरन मुथुसामी ने बताया कि नियुक्ति के लिए विभिन्न पदो के लिए अलग-अलग पालियों में परीक्षा आयोजित की गई।

एनआईटी में कुलसचिव सहित 29 पद भरे जाएंगे

संवाद न्यूज एजेंसी

14 अप्रैल को होने वाली बीओजी में लगेगी अंतिम मोहर

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) को जल्द ही कुलसचिव सहित 29 अधिकारी कर्मचारी मिल जाएंगे।

एनआईटी की आगामी 14 अप्रैल को होने वाली बीओजी (बोर्ड ऑफ गवर्नेंस) में चयन पर अंतिम मोहर लगेगी। निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने बताया कि एनआईटी में समूह क, ख व ग के लिए आयोजित नियुक्ति प्रक्रिया संपन्न हो गई है।

एनआईटी में कुलसचिव, उप कुलसचिव, मेडिकल अफसर, असिस्टेंट लाइब्रेरियन सहित अधिकारी-कर्मचारियों के 29 पदों के लिए 1300 से अधिक लोगों ने आवेदन किया था। शॉर्टलिस्ट के बाद 600 को लिखित व साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया था। नियुक्ति प्रक्रिया 17 से 19 मार्च के बीच हुई। समूह ख व ग के पदों पर साक्षात्कार हो गया है। लिखित परीक्षा व स्किल टेस्ट के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। समूह क के पदों पर लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार दोनों प्रावधान रखे गए। संस्थान में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग को परीक्षा केंद्र बनाया गया था।

संस्थान के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने बताया कि अधिकारी-कर्मचारी चयन के लिए विशेष सॉफ्टवेयर लिखित परीक्षा कराने की योजना बनाई गई थी। संस्थान के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के इंजीनियरों ने फरवरी माह में सॉफ्टवेयर तैयार किया था। अब संस्थान को ऑफलाइन परीक्षा के आयोजन, कॉपी जांचने सहित अन्य मानव श्रम को न्यूनतम करने में बड़ी मदद मिली।

एनआईटीमें शीघ्र होंगी नियुक्तियां

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड में शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के विभिन्न पदों पर जल्द ही नियुक्तियां होंगी। एनआईटी के निदेशक प्रो.ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि सभी पदों पर नियुक्तियों के लिए 17 मार्च से 19 मार्च के बीच अलग अलग लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। परिणाम शीघ्र घोषित किया जाएगा।

एनआईटी करेगा ट्रैप केज को डिजाइन

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग की टीम को उत्तराखंड वन विभाग ने मानव तेंदुआ संघर्ष प्रबंधन के अंतर्गत परामर्श परियोजना प्रदान की है। वन विभाग ने अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक पद पर कार्यरत डा. विनोद सिंह यादव, डा. डी श्रीहरि एवं डा. विकास कुकशाल को पोर्टेबल, मजबूत, हल्के वजन और उन्नत ट्रैप केज (जाल पिंजरे) का डिजाइन और पशु सहित जाल-पिंजरे को संभालने के लिए वाहन की स्वचालित प्रणाली का डिजाइन प्रदान करने की जिम्मेदारी दी है।

संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा एनआईटी उत्तराखंड अनुसंधान और नवाचार गतिविधियों के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

गुलदार पकड़ने को बनेगा नया पिंजरा

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : गुलदार पकड़ने को लेकर अब नए डिजाइन का उन्नत पिंजरा, जाल के साथ ही वाहन का नया स्वरूप भी नजर आएगा। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के अभियांत्रिकी विभाग द्वारा इस प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू किया गया है।

- एनआइटी के अभियांत्रिकी विभाग के विशेषज्ञों को दिया प्रोजेक्ट
- प्रोजेक्ट देश के सभी राज्यों के वन विभागों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि वन विभाग द्वारा एनआइटी को दिया गया यह प्रोजेक्ट आने वाले समय में देश के सभी राज्यों के वन विभागों के लिए भी महत्वपूर्ण बनेगा। जिससे नवीनतम डिजाइन के साथ ही जाल और पिंजरे को बनाने का कार्य किया जाएगा। प्रो. अवस्थी ने कहा कि वन विभाग की स्वीकृति के बाद डिजाइन को संस्थान पेटेंट कराने की भी योजना बना रहा है। जिससे नए रोजगार सृजित करने के अवसरों में भी वृद्धि होगी। प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि एनआइटी की फैकल्टी द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों से यह संस्थान देश के सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में भी शुमार हो रहा है।

प्रोजेक्ट के प्रभारी एनआइटी के डा. विनोद सिंह यादव ने कहा कि पौड़ी गढ़वाल के प्रभागीय वनाधिकारी स्वप्निल अनिरुद्ध ने उनसे संपर्क कर पारंपरिक ट्रेपिंग प्रणाली में काम आने वाले पिंजरे के वजन और परिवहन व्यवस्था से संबंधित कठिनाइयों को दूर करने को लेकर यह प्रोजेक्ट दिया है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही नए डिजाइन के साथ कुशलता से जानवरों को पकड़ने में मदद भी मिलेगी। डा. डी श्रीहरि और डा. विकास कुकशाल की टीम इस प्रोजेक्ट को परवान चढ़ा रहे हैं। वन विभाग चाहता है कि गुलदार को पकड़ने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाला पिंजरा और जाल नए डिजाइन में हल्के वजन और मजबूत हों। साथ ही पिंजरे को ले जाने वाले वाहन को भी सुविधाजनक बनाया जाए। एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने अभियांत्रिक विभाग के शोधकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि विज्ञान, अभियांत्रिकी शिक्षा, शोध व नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एनआईटी करेगा हल्के वजन वाले ट्रैप केज को डिजाइन

बढ़ते मानव वन्य जीव संघर्ष के चलते वन विभाग ने दिया डिजाइन प्रदान करने का उत्तरदायित्व

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग की टीम को उत्तराखंड वन विभाग ने मानव तेंद. आ संघर्ष प्रबंधन के अंतर्गत परामर्श परियोजना प्रदान किया है।

वन विभाग ने अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक पद पर कार्यरत डा. विनोद सिंह यादव, डा. डी श्रीहरि एवं डा. विकास कुकशाल को पोर्टेबल, मजबूत, हल्के वजन और उन्नत ट्रैप केज (जाल पिंजरे) का डिजाइन और पशु सहित जाल-पिंजरे को संभालने के लिए वाहन की स्वचालित प्रणाली का डिजाइन प्रदान करने का

उत्तरदायित्व दिया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि एनआईटी उत्तराखंड की टीम पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है और स्थानीय लोगों के विकास और सुरक्षा के संदर्भ में संभावित समाधान प्रदान कर रही है। कहा कि कुछ वर्षों में बढ़ते मानव वन्य जीव संघर्ष के चलते राज्य की जैव विविधता पर संकट छाने लगा है। इसमें मानव और बाघ तेंदुए जैसे हिंसक जानवरो का संघर्ष सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक अभिव्यक्ति है। ऐसे में वन्य जीवों के संरक्षण के लिए स्थानीय समर्थन बनाए रखने के लिए इसे संवे. दनशील तरीके से संबोधित करने की आवश्यकता है।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड अनुसन्धान और नवाचार गतिविधियों के लिए एक उपयुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। जो छात्रों और संकाय सदस्यों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस मौके पर प्रमुख अन्वेषक डा. विनोद सिंह यादव ने बताया कि पौड़ी गढ़वाल जिले के प्रभागीय वनाधिकारी स्वप्निल अनिरुद्ध ने संपर्क कर नवीनतम प्रणाली प्रदान करने के लिए कहा जो उन्हें कुशल तरीके से जानवरों को पकड़ने में मदद करे। संस्थान के प्रभारी सचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने भी शोधकर्ताओं को बधाई दी।